लेसिक लेजर-

दृष्टि दोष सुधार के क्षेत्र में ऐसी तकनीकी क्रांति लाया है जो चश्में व कॉन्टेक्ट लैंस पर निर्भरता को पूर्णत: समाप्त करता है।

इस उपचार विधि की विशेषता है इसकी विश्वसनीयता व बहुत ही कम समय में ऑपरेशन। यह तकनीक पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।

आपकी दृष्टि प्रकृति की सबसे महत्वपूर्ण देन है। आज की आधुनिक व गतिशील जीवन शैली में चश्में व कॉन्टेक्ट लैंस से मुक्ति एक वरदान के समान है।

ग्रेटर कैलाश हॉस्पिटल उच्चतम स्तर की चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। आपको विषय से परीचित कराने के उद्देश्य से निम्नलिखित जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

चश्मे व कॉन्टेक्ट लैंस की आवश्यकता क्यों होती है ?

मनुष्य की आँखें एक कैमरे के समान होती है। कैमरे की तरह ही आँखों में लेंस होता है जो प्रतिबिम्ब को रेटिना (आँख के पर्दे) पर केन्द्रित करता है। आँखों में दो प्रकार के लेंस होते हैं : कॉर्निया व लेंस। प्रतिबिम्ब को केन्द्रित करने की दो तिहाई क्षमता कॉर्निया प्रदान करता है।

कई बार कॉर्निया, लेंस तथा आँख की लंबाई बेमेल होने से प्रतिबिम्ब रेटिना के आगे या पीछे बनता है। ऐसे में हमें धुंधला दिखाई देता है और हमें चश्में या कॉन्टेक्ट लेंस का सहारा लेना पड़ता है।

LASIK क्या है ?

LASIK एक प्रक्रिया है जो लेज़र की ठंडी किरणों से कॉर्निया की सतह को नया आकार देने में प्रयोग की जाती है। किसी भी लेज़र से दृष्टि दोष सुधार का लक्ष्य कॉर्निया को पुन: आकार देना होता है ताकि वह रेटिना पर प्रतिबिम्ब को बेहतर रूप से केन्द्रित कर सकें।

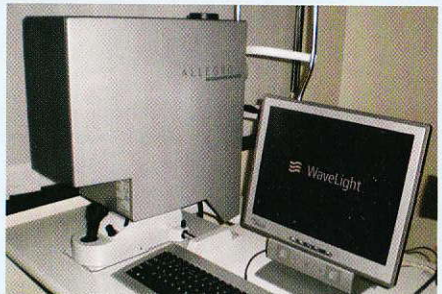

क्या LASIK सभी के लिए उपयोगी है ?

नेत्र रोग विशेषज्ञ ही यह निर्धारित कर सकते है कि किसी व्यक्ति के लिए यह तकनीक उपयुक्त है या नहीं। साधारणत: LASIK के लिए व्यक्ति की उम्र कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए व उसके चश्में का नम्बर कम से कम 6 माह तक स्थिर रहे व उसका कॉर्निया स्वस्थ हो। चूंकि हार्मोन्स का स्तर आँखों के आकार को प्रभावित करता है अत: गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए यह उपयुक्त नहीं है। यह सर्जरी उन लोगों को भी नहीं करानी चाहिए जिन्हें :-

- कांचबिंद
- मोतियाबिंद
- आँखों के सूखेपन की समस्या
- कोलेजन डीसिस
- केरेटोकोनस जैसी समस्या हो।

क्या LASIK सुरक्षित विधि है ?

यह पूर्णत: सुरक्षित है। "आई सर्जन एजुकेशन काउन्सिल" द्वारा जारी गाईडलाइन के अनुसार LASIK कराने के पश्चात् 1 प्रतिशत से भी कम मरीजों को किसी प्रकार की गंभीर या दृष्टि के लिए हानिकारक समस्या का सामना करना पड़ा है। अगर कोई समस्या आती है तो उसका निदान कुछ ही समय में किया जा सकता है।

लेसिक लेजर अब अमेरिका के एयर फोर्स मे चालकों के लिए भी एफ.डी.ए. द्वारा मान्य है।

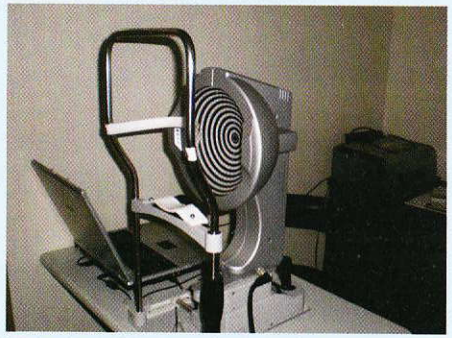

फेमटो-लेसिक क्या है ?

पारम्परिक लेसिक पद्धति में फ्लैप बनाने के लिए जो मशीनी उपकरण का उपयोग किया जाता है उसमें एक ब्लेड होता है, किन्तु फेमटो लेसिक प्रक्रिया में फ्लैप बनाने हेतु भी लेज़र उपकरण का उपयोग होता जो ब्लेड रहित है एवं इसके द्वारा दृष्टि दोष सुधार अत्यन्त उच्चतम परिशुद्धी के साथ कुछ ही क्षणों में हो जाता है। फे मटो लेसिक पद्धति नेत्र विशेषज्ञ को दृष्टि सुधार प्रक्रि नियंत्रण प्रदान करती है जिसके फलस्वरूप सुनिश्चित, एवं सुरक्षित दृष्टि सुधार के परिणाम प्राप्त होते हैं।

"रिफ्रेक्टिव सूट" दृष्टि दोष निवारण की अत्याधुनिक त उच्चतम गुणवत्ता से परिपूर्ण विश्व की नवीनतम मशी मशीन मे आधुनिक लेज़र तकनीक, 500Hz इक्जाईमर 200FS फेमटोसेकन्ड लेजर का एक साथ समावेश है। सूट से बेल्ड रहित लेसिक द्वारा प्रमाणित सुरक्षा एवं गुणवत्ता के साथ दृष्टि दोष का उपचार किया जा स यह विश्व की तीव्रतम लेजर मशीन है जो 1D का दृष्टि सेकन्ड में हटा सकती है।

लेसिक तथ्य :

विश्व में 17 लाख से अधिक व्यक्ति दृष्टि दोष सुधार के पद्धति का उपयोग कर चुके हैं।

लेसिक उपचार के बाद 93% व्यक्तियों की दृष्टि 20/2 बेहतर हुई है।

97% व्यक्ति, जिन्होंने लेसिक द्वारा दृष्टि दोष उपचार क इसकी अनुशंसा अपने मित्रों व रिश्तेदारों से करते हैं।

75% अमेरिकी दृष्टि दोष सुधार के लिए ब्लेड रहित चुनते हैं।

कुछ आम सवाल :

यह उपचार किस प्रकार होता है ?

लेज़र किरणों का उपयोग कर कॉर्निया को 1 मी.मी. के भाग की सुक्ष्मता से पुन: आकार दिया जाता है इससे क रिफ्रेक्टिव क्षमता को परिवर्तित किया जाता है तथा उचि देने से दृष्टि दोष दूर हो जाता है।